भला किसी का कर ना सको तो .....

भला किसी का कर ना सको तो, बुरा किसी का मत करना ।
पुष्प नहीं बन सकते तो तुम, काँटे बनकर मत रहना ।।
बन न सको भगवान् अगर तुम, कम से कम इंसान बनो,
नहीं कभी हैवान बनो तुम, नहीं कभी शैतान बनो ।
सदाचार अपना न सको तो, पापों में पग मत धरना ।।
पुष्प नहीं बन.....

सत्य वचन ना बोल सको तो, झूठ कभी भी मत बोलो,
मौन रहो तो ही अच्छा है, कम से कम विष मत घोलो ।
बोलो यदि पहले तुम तोलो, फिर मुँह को खोला करना ।।
पुष्प नहीं बन.....

घर ना किसी का बसा सको तो, झोपड़ियाँ ना जला देना,
मरहम पट्टी कर ना सको तो, खारा नमक ना लगा देना ।
दीपक बन कर जल ना सको तो, अंधियारा भी मत करना ।।
पुष्प नहीं बन.....

अमृत पिला सको ना किसी को, जहर पिलाते भी डरना,
धीरज बँधा नहीं सकते तो, घाव किसी के मत करना ।
राम नाम की माला लेकर, सुबह–शाम जपा करना ।।
पुष्प नहीं बन.....

कबीरा इस संसार में, सबसे मिलिये धाय।
ना जाने किस भेष में, नारायण मिल जाय।।